प्रेस हेतु सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं. 02/2019)

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 08 जनवरी, 2019

तुरंत जारी करने हेतु

वेबसाइटः **www.trai.gov.in**

''30 सितंबर, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए ''भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट''

आज भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने 30 सितंबर, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए ''भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट'' जारी की है। यह रिपोर्ट दूरसंचार सेवाओं का एक व्यापक परिदृश्य उपलब्ध कराती है तथा 1 जुलाई, 2018 से 30 सितंबर, 2018 की अवधि के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के साथ–साथ केबल टेलीविजन, डीटीएच तथा रेडियो प्रसारण सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानदण्ड तथा विकास के रूझानों को प्रस्तुत करती है। इसे सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संकलित किया गया है।

उक्त रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश यहॉ संलग्न है। संपूर्ण रिपोर्ट भारतीय दूरसंचार विनियाम प्राधिकरण की वेबसाईट www.trai.gov.in पर उपलब्ध है। इस रिपोर्ट से संबंधित किसी भी सुझाव या स्पष्टीकरण के लिए अधोहस्ताक्षरी (श्री कौशल किशोर, सलाहकार (एफएण्डईए), भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली) से दूरभाष–011–23230752 फैक्स–011–23235249 एवं ई–मेल: advfea1.trai@nic.in पर संपर्क किया जा सकता है।

जारी करने के लिए प्राधिकृत

(कौशल किशोर)
सलाहकार (एफएण्डईए)

भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादक संकेतक रिपोर्ट
जुलाई से सितंबर, 2018

कार्यकारी सारांश

1. देश में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2018 के अंत में 1,168.89 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2018 के अंत में 1,191.40 मिलियन हो गई, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 1.93 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई। हालांकि पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में वर्ष–दर–वर्ष (वाई.ओ.वाई) आधार पर 1.27 प्रतिशत ह्रास दर दर्ज की गई। देश में 30 जून, 2018 को समग्र दूरसंचार घनत्व 89.72 से बढ़कर 30 सितंबर, 2018 को 91.20 हो गया।

देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या तथा दूरसंचार घनत्व का रूझान

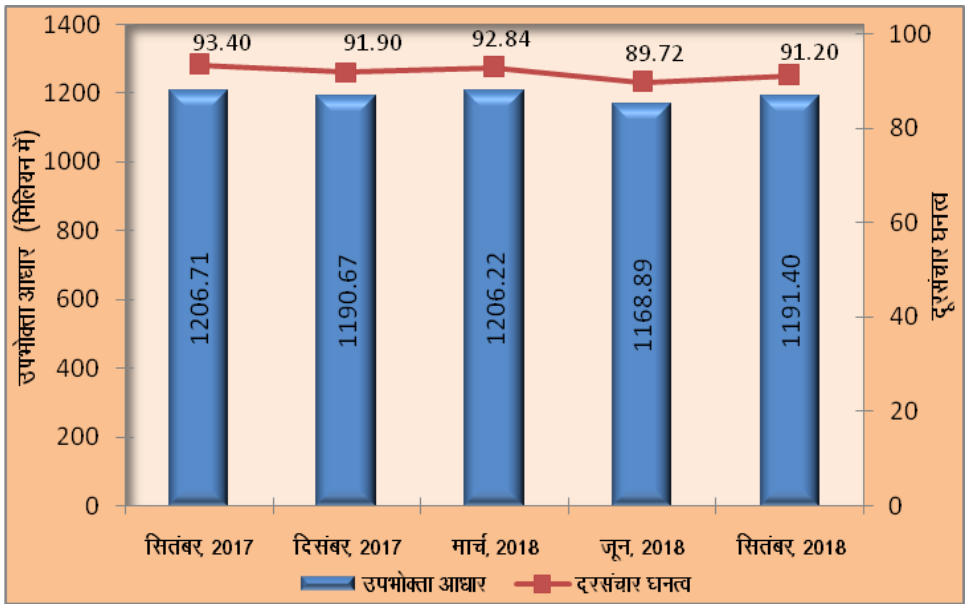

2. जून, 2018 के अंत तक शहरी क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 652.76 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2018 के अंत में 666.64 मिलियन हो गया तथा इसी अवधि के दौरान शहरी दूरसंचार घनत्व भी 158.16 से बढ़कर 160.79 हो गया। इसी दौरान ग्रामीण दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 516.13 मिलियन से बढ़कर 524.76 मिलियन हो गया, तथा ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी 57.99 से बढ़कर 58.85 हो गया।

3. कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में से, ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी जून, 2018 के अंत तक 44.16 प्रतिशत से घटकर सितंबर, 2018 के अंत तक 44.05 प्रतिशत हो गई।

दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

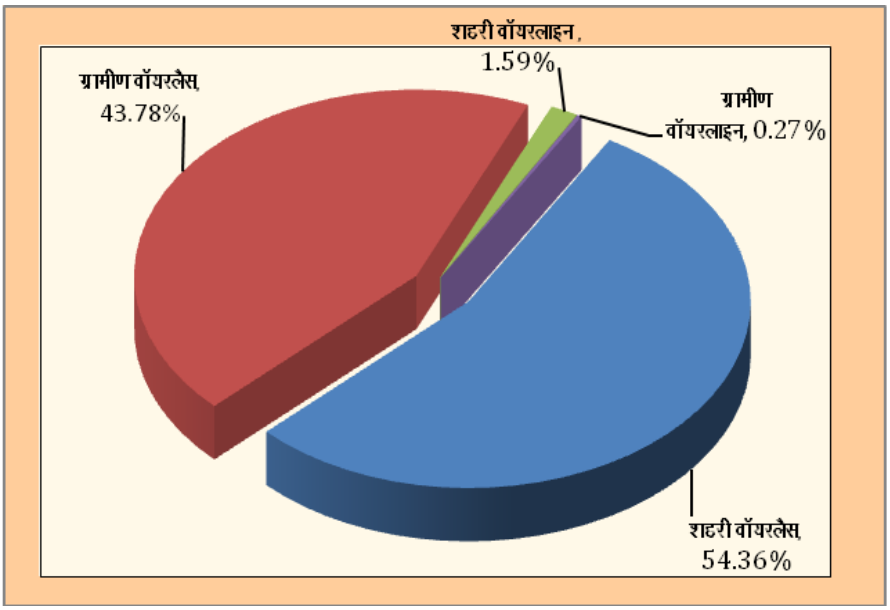

4. इस तिमाही के दौरान 22.80 मिलियन वॉयरलैस उपभोक्ताओं की संख्याओं में निबल वृद्धि के साथ ही जून, 2018 के अंत तक कुल वॉयरलैस (जीएसएम एलटीई सहित+सीडीएमए) उपभोक्ताओं की संख्या 1,146.49 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2018 के अंत तक 1,169.29 मिलियन हो गया, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 1.99 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई। हालांकि वार्षिक आधार पर सितंबर, 2018 के लिये वॉयरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में 1.66 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गयी।

5. वायरलैस दूरसंचार घनत्व जून, 2018 के अंत में 88.00 से बढ़कर सितंबर, 2018 के अंत में 89.51 हो गया।

6. वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2018 के अंत में 22.40 मिलियन से और घटकर सितंबर, 2018 के अंत में 22.11 मिलियन रह गया जिसमें 1.26 प्रतिशत की तिमाही ह्रास दर दर्ज की गई। सितंबर, 2018 को समाप्त तिमाही अवधि के लिए वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में वर्ष दर वर्ष (वाई.ओ.वाई.) 6.58 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

7. वॉयरलाइन दूरसंचार घनत्व जून, 2018 के अंत में 1.72 से घटकर सितंबर, 2018 के अंत में 1.69 रह गया।

8. इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या जून, 2018 के अंत में 512.26 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2018 के अंत में 560.01 मिलियन हो गई जिसमें 9.32 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई।

9. कुल 560.01 मिलियन इंटरनेट उपभाक्ताओं में से वायरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 21.25 मिलियन तथा वायरलैस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 537.92 मिलियन है।

इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

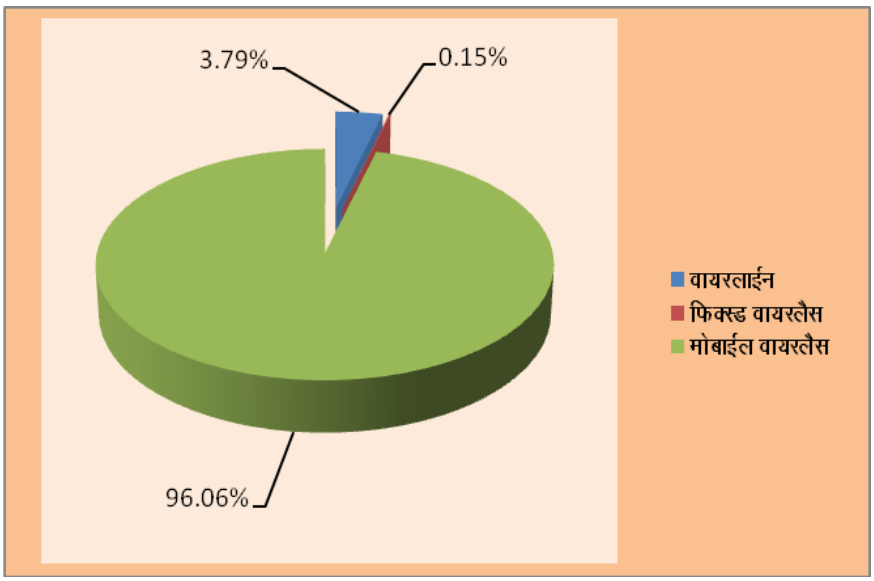

10. ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2018 के अंत में 447.12 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2018 के अंत में 481.70 मिलियन हो गई जिसमें 7.73 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई।

11. नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2018 के अंत में 65.14 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2018 के अंत में 78.30 मिलियन रही जिसमें 20.21 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई।

12. वारयलेस दूरसंचार सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) 2.55 प्रतिशत तिमाही ह्रास दर के साथ जून, 2018 को समाप्त तिमाही के 69.15 रुपए से घटकर सितंबर, 2018 को समाप्त तिमाही में 67.39 रुपए हो गया। मासिक एआरपीयू इसी तिमाही में वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 19.99 प्रतिशत की दर से कम हो गया।

13. सितंबर, 2018 को समाप्त तिमाही में वायरलेस सेवा के लिए प्रतिमाह प्रीपेड एआरपीयू 57 रुपए तथा प्रतिमाह पोस्ट–पेड एआरपीयू 299 रुपए हो गया।

14. अखिल भारतीय औसत आधार पर जीएसएम सेवा के लिए समग्र उपयोग की गई मिनट (एमओयू) प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह जून, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए 607 मिनट से बढ़कर सितंबर, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए 627 मिनट हो गया।

15. वायरलेस प्रीपेड सेवा के लिए सितंबर, 2018 को समाप्त तिमाही में एमओयू प्रति उपभोक्ता 601 मिनट तथा पोस्ट–पेड एमओयू प्रति उपभोक्ता 734 मिनट हो गया।

16. सितंबर, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए दूरसंरचार सेवा क्षेत्र हेतु सकल राजस्व (जीआर) तथा समयोजित सकल राजस्व (एजीआर) क्रमशः 57,827 करोड़ रुपए तथा 36,142 करोड़ रुपए रहा। सितंबर, 2018 को समाप्त तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले जीआर तथा एजीआर दोनों में क्रमशः 0.98 प्रतिशत तथा 1.12 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गई।

17. पिछले वर्ष की इसी तिमाही में जीआर तथा एजीआर में वर्ष–दर–वर्ष (वाई.ओ.वाई.) ह्रास दर क्रमशः 12.86 प्रतिशत तथा 13.26 प्रतिशत दर्ज की गई।

18. सितंबर, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए पास–थ्रू–प्रभार पिछले तिमाही के 21,849 करोड़ रुपए से घटकर 21,685 करोड़ रुपए हो गया। सितंबर, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए पास–थ्रू–प्रभार में तिमाही तथा वार्षिक ह्रास दर क्रमशः 0.75 प्रतिशत तथा 12.18 प्रतिशत रही।

19. जून, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए लाइसेंस शुल्क 2,929 करोड़ रुपए से घटकर सितंबर, 2018 में 2,889 करोड़ रुपए हो गया। इस तिमाही के दौरान लाइसेंस शुल्क में तिमाही तथा वार्षिक ह्रास दर क्रमशः 1.35 तथा 11.08 प्रतिशत रही।

20. एक्सेस सेवाओं ने दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में 71.18 प्रतिशत का योगदान दिया। सितंबर, 2018 को समाप्त तिमाही में एक्सेस सेवाओं में सकल राजस्व (जीआर), समायोजित सकल राजस्व (एजीआर), लाइसेंस शुल्क एवं स्पेक्ट्रम उपयोग प्रभार (एसयूसी) में क्रमशः 0.05 प्रतिशत, 0.56 प्रतिशत, 0.40 प्रतिशत एवं 1.55 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई जबकि इसी दौरान पास–थ्रू प्रभारों में 0.81 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गई।

समायोजित सकल राजस्व का वितरण

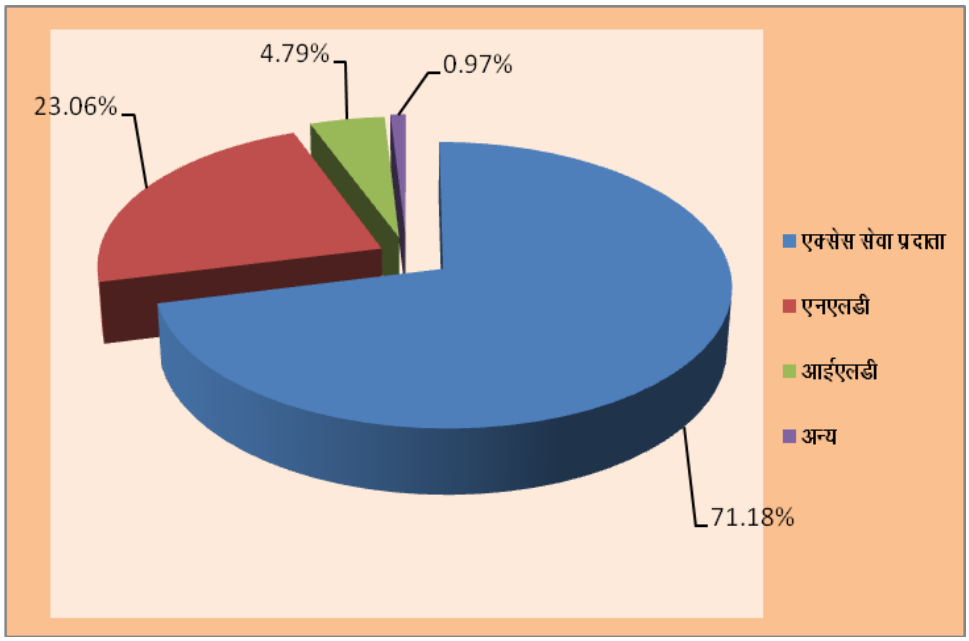

20. एजीआर आधारित एक्सेस सेवाओं के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) जून, 2018 को समाप्त तिमाही में 73.34 रुपए से बढ़कर सितंबर, 2018 को समाप्त तिमाही में 72.50 रुपए हो गया।

21. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा की गुणवत्ता के संदर्भ में वॉयरलैस सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया है:–

सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड	सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड
• एसडीसीसीएच/पेजिंग चैनल कंजेशन/आरआरसी कंजेशन (प्रतिशत) • नेटवर्क क्यूओएस डीसीआर स्थानीक वितरण पैमाना (नेटवर्क क्यूएसडी 90, 90) (प्रतिशत) • नेटवर्क क्यूओएस डीसीआर कालिक वितरण पैमाना (नेटवर्क क्यूटीडी 97, 90) (प्रतिशत) • मीटरिंग तथा बिलिंग क्रेडिबिलिटी –प्रीपेड • बिलिंग/चार्जिंग/क्रेडिट तथा वैधता शिकायतों का समाधान (छह सप्ताह के भीतर शत प्रतिशत) • कॉल सेंटर/कस्टमर केयर तक पहुंच • 90 सेकण्ड के भीतर प्रचालक (वॉयस टू वॉयस) द्वारा उत्तर दी गई कॉलों का प्रतिशत • 7 दिनों के भीतर सेवा को समाप्त/बंद किए जाने हेतु अनुरोधों का प्रतिशत	• टीसीएच, आरएबी तथा ई–आरएबी कंजेशन (प्रतिशत) • मीटरिंग तथा बिलिंग क्रेडिबिलिटी –पोस्टपेड • खाता बंद करने के पश्चात् निक्षेपों के प्रतिदाय में लिया गया समय

22. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा गुणवत्ता के संदर्भ में वॉयरलाइन सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया है:

सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड	सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड
• बिलिंग/चार्जिंग/क्रेडिट तथा वैधता शिकायतों का समाधान	• अगले दिन तक दोष सुधार का प्रतिशत (शहरी क्षेत्रों के लिए) • ग्राहक की सहायता के लिए प्रत्युत्तर समय – 90 सेकण्ड के भीतर प्रचालक (वॉयस टू वॉयस) द्वारा उत्तर दी गई कॉलों का प्रतिशत • 7 दिनों के भीतर सेवा को शत प्रतिशत समाप्त/बंद किया जाना।

23. दिनांक 30.09.2018 की स्थिति के अनुसार सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) द्वारा केवल अपलिकिंग/केवल डॉऊनलिकिंग/अपलिंकिंग एवं डाउनलिंकिंग दोनों के लिये 851 निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों को अनुमति प्रदान की गई है।

24. 49 प्रसारकों के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 30 जून, 2018 की स्थिति के अनुसार 309 पे–चैनलों के मुकाबले 30 सितंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार कुल 313 पे–चैनल थे। इन 313 पे–चैनलों में 216 एसडी पे–चैनल एवं 97 एचडी पे–चैनल शामिल है। इस तिमाही के दौरान, जैसा कि प्रसारकों के द्वारा रिपोर्ट किया गया है, तीन नये चैनल चालू हुए तथा *एनडीटीवी इंडिया* नामक एक निःशुल्क चैनल को पे–चैनल में परिवर्तित कर दिया गया।

25. वर्ष 2003 में अस्तित्व में आने के समय से भारतीय डीटीएच सेवा में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। सितंबर, 2018 के अंत तक देश में पे–डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या 5 थी। डीटीएच के कुल सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या 30 सितंबर, 2018 को लगभग 69.45 मिलियन हो गया है। यह संख्या दूरदर्शन के निःशुल्क डीटीएच सेवा के उपभोक्तओं के अलावा है।

26. ऑल इंडिया रेडियो–सार्वजनिक प्रसारक द्वारा प्रचालित रेडियो स्टेशनों के अलावा, दिनांक 30 जून, 2018 को 34 एफएम प्रसारकों के द्वारा उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के अनुसार 86 शहरों में कार्यरत 328 निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की तुलना में दिनांक 30 सितंबर, 2018 को 33 एफएम प्रसारकों के द्वारा उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के अनुसार 95 शहरों में कुल 350 निजी एफएम रेडियो स्टेशन कार्य कर रहे हैं।

27. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 30 सितंबर, 2018 को देश में कुल 238 सामुहिक रेडियो स्टेशन कार्यरत हैं।

मुख्य झलकियाँ

30 सितंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार डॉटा	
दूरसंचार उपभोक्ता (वॉयरलैस + वॉयरलाइन)	
कुल उपभोक्ताओं की संख्या	1,191.40 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	1.93 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	666.64 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	524.76 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	88.97 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	11.03 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	91.20
शहरी दूरसंचार घनत्व	160.79
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	58.85
वॉयरलैस उपभोक्ता	
कुल वॉयरलैस उपभोक्ताओं की संख्या	1,169.29 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	1.99 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	647.70 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	521.59 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	90.03 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	9.97 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	89.51
शहरी दूरसंचार घनत्व	156.23
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	58.49
तिमाही के दौरान वायरलेस डाटा यूसेज	12,549,891 टेराबाईट
पब्लिक मोबाईल रेडियो ट्रंक सेवा (पीएमआरटीएस) की कुल संख्या	76,700
वीसैट की कुल संख्या	2,81,912
वॉयरलाइन उपभोक्ता	
कुल वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या	22.11 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-1.26 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	18.95 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	3.17 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	32.49 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	67.51 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	1.69
शहरी दूरसंचार घनत्व	4.57
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	0.36
ग्रामीण पब्लिक टेलीफोन की संख्या (वीपीटी)	1,23,736
पब्लिक कॉल ऑफिसों की संख्या (पीसीओ)	3,05,395

दूरसंचार वित्तीय आंकडे	
तिमाही के दौरान सकल राजस्व (जीआर)	57,827 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन	-0.98 प्रतिशत
तिमाही के दौरान समायोजित सकल राजस्व (एजीआर)	36,142 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में एजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	-1.12 प्रतिशत
एक्सेस एजीआर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की हिस्सेदारी	9.48 प्रतिशत
एक्सेस सेवाओं हेतु प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू)	72.50 रुपए
इंटरनेट/ब्रॉडबैंड उपभोक्ता	
कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	560.01 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	9.32 प्रतिशत
नैरोबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	78.30 मिलियन
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	481.70 मिलियन
वॉयरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	21.25 मिलियन
वॉयरलैस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	538.76 मिलियन
शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	365.94 मिलियन
ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	194.07 मिलियन
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	42.87
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	88.26
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	21.76
प्रसारण और केबल सेवाएं	
सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों की संख्या	851
पे–टीवी चैनलों की संख्या	313
निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की संख्या	350
एक्टिव डीटीएच उपभोक्ताओं की संख्या	69.45 मिलियन
चालू कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या	238
पे–डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या	5
राजस्व और उपयोग मानदण्ड	
वायरलैस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता औसत मासिक आय (एआरपीयू) (जीएसएम, एलटीई एवं सीडीएमए)	67.39 रुपए
वायरलैस सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट (एमओयू) (जीएसएम, एलटीई एवं सीडीएमए)	627 मिनट
इंटरनेट टेलीफोनी हेतु कुल बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) उपयोग मिनट	200 मिलियन
मोबाइल उपभोक्ताओं के द्वारा डॉटा उपयोग	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग (जीएसएम, एलटीई एवं सीडीएमए)	8.32 जीबी
वायरलैस सेवा (जीएसएम, एलटीई एवं सीडीएमए) के लिए प्रति जीबी डाटा का औसत मूल्य	10.91 रुपए